Azadi Ka Amrit Mahotsav

જા.નં./મા-૨/પરચ/૨૦૨૨/ 19249

જિલ્લા શિક્ષણાધિકારીની કચેરી,
ઓ/૩, જિલ્લા સેવા સદન-૨,
અઠવાલાઈન્સ, સુરત
Web : suratdeo.org
Email : suratdeo@gmail.com
તા.૨૧ /૦૯ /૨૦૨૨

પ્રતિ,
આચાર્યશ્રી,
સુરત જિલ્લાની તમામ પ્રાથમિક,માધ્યમિક અને ઉ.મા. શાળાઓ તરફ
જિ-સુરત.

આ સાથે સામેલ મે,મેં,સંયુક્ત શિક્ષણ નિયામકશ્રી,ગુ.માં.અને ઉ.માં.શિક્ષણ બોર્ડ,ગાંધીનગરના પત્ર ક્રમાંક/મઉમશભ/સંશોધન/૨૦૨૨/૧૧૧૮૮-૨૨૪ તા.૨૮/૦૯/૨૦૨૨ અન્વયે Ek Bharat shreshtha Bharat-Bhasha Sangam Brochure બાબતે જાણ તથા અમલ થવા સારું

જિલ્લા શિક્ષણાધિકારી
સુરત, જિલ્લો-સુરત

ક્રમાંક:-મઉમશબ/સંશોધન/2022/11188-224

ગુજરાત માધ્યમિક અને
ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણ બોર્ડ,
સેકટર-10 બી, જૂના સચિવાલય પાસે,
ગાંધીનગર. તા.28/09/2022

પ્રતિ,
જિલ્લા શિક્ષણાધિકારીશ્રી, (તમામ)
ગુજરાત રાજ્ય

વિષય:- Ek Bharat Shreshtha Bharat-Bhasha Sangam Brochure.

સંદર્ભ:- National Council of Educational Reserch and Training ના પત્રક્રમાંક:ફા.સં 1-1/2021-22/ભા.શિ.વિ/1274 તા.16/09/2022

શ્રીમાન,

ઉપરોક્ત વિષય અને સંદર્ભદર્શિત પત્રથી મળેલ National Council of Educational Reserch and Trainingના તા.16/09/2022ના પત્રની નકલ આ સાથે મોકલી આપતા જણાવવાનું કે, ભાષા સંગમ કાર્યક્રમ અન્વયે દેશમાં ભારતીય ભાષાઓને શીખવવા તેમજ તેના પ્રોત્સાહન માટે અને અમલીકરણ માટે ભાષા સંગમ કાર્યક્રમની વિગતો Brochure સાથે માહિતી આ સાથે મોકલી આપવામાં આવે છે. ઉક્ત ભાષા સંગમ કાર્યક્રમમાં શાળાના વિદ્યાર્થીઓ, શિક્ષકો અને વાલીઓ કાર્યક્રમમાં ઉત્સાહપૂર્વક ભાગ લે અને ભારતીય ભાષાઓ માટે પ્રોત્સાહન પુરૂ પાડે તે અંગે વિદ્યાર્થીઓ, શિક્ષકો અને વાલીઓને માર્ગદર્શન આપવા જણાવેલ છે. ભારતીય ભાષાઓ માટે પ્રોત્સાહન મળી રહે તે મુજબ આયોજન કરવા ઉક્ત વિગતો આપના તાબાની તમામ માધ્યમિક અને ઉચ્ચતર માધ્યમિક શાળાઓને મોકલી આપશો.

બિડાણ- ઉપર મુજબ

(બી.એમ.સોલંકી)
સંયુક્ત નિયામક
ગુજરાત માધ્યમિક અને
ઉચ્ચતર માધ્યમિક શિક્ષણ બોર્ડ,
ગાંધીનગર

<u>નકલ સવિનય રવાના:-</u>

- માન.અધ્યક્ષશ્રી,ગુ.મા.અને ઉ.મા.શિક્ષણ બોર્ડ,ગાંધીનગર
- માન.સચિવશ્રી, ગુ.મા.અને ઉ.મા.શિક્ષણ બોર્ડ,ગાંધીનગર

E:\PC DATA\Desktop\LATER.docx

ष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान
और प्रशिक्षण परिषद्

विद्यया ऽमृतमश्नुते
एन सी ई आर टी
NCERT

NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

फोन न.011-26565336, फैक्स: 011-26962873
ई-मेल:sandhya.ncert@gmail.com

भाषा शिक्षा विभाग

डॉ संध्या सिंह
प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

फा सं 1-1/2021-22/भा.शि.वि./1274
दिनांक : 16 सितम्बर, 2022

विषय: एक भारत श्रेष्ठ भारत -भाषा संगम विवरणिका

प्रिय महोदया / महोदय,

आपको जानकर खुशी होगी कि विद्यालयों में भारतीय भाषाओं को बढ़ावा देने और सीखने के लिए भाषा शिक्षा विभाग, एनसीईआरटी ने भाषा संगम और बुक मार्क तैयार किया है। आपको ज्ञात हो कि भाषा संगम कार्यक्रम देश भर के विद्यालयों में लागू किया जा रहा है। इस पत्र के साथ भाषा संगम की विवरणिका की कुछ प्रतियाँ संलग्न हैं।

आपसे अनुरोध है कि इस कार्यक्रम को पूरी भावना से आयोजित करने में विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों को भारतीय भाषाओं के प्रचार प्रसार में भाग लेने के लिए निर्देशित और प्रोत्साहित करें।

इस महत्वपूर्ण कार्य हेतु आपका सहयोग अपेक्षित हैं।

सादर,

आपकी

(संध्या सिंह)

24 The Chairperson
Gujarat Secondary and Higher
Secondary Education Board
Sector 10/B Near old Sachivalaya
Gandhinagar- 382010
Gujarat

भाषा संगम शृंखला की पुस्तिकाएँ 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में 22 खंडों में निर्मित की गई हैं। इन पुस्तिकाओं की पीडीएफ diksha.gov.in & ncert.nic.in पर ऑडियो, वीडियो और सांकेतिक भाषा में भी उपलब्ध हैं। उपयोगकर्ताओं की सुविधा के लिए इन पुस्तिकाओं को भारतीय संविधान में दर्शाये गए वर्णानुक्रम के अनुसार प्रस्तुत किया गया है।

असमिया	बांग्ला	बोडो	डोगरी
गुजराती	हिंदी	कन्नड़	कश्मीरी
कोंकणी	मैथिली	मलयालम	मणिपुरी
मराठी	नेपाली	ओड़िया	पंजाबी
संस्कृत	संथाली	सिंधी	तमिल
	तेलुगु	उर्दू	

क्यूआर कोड स्कैन करें और विभिन्न भाषा ... पुस्तिका को प्राप्त करें

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली-110016

भाषा संगम
Bhasha Sangam

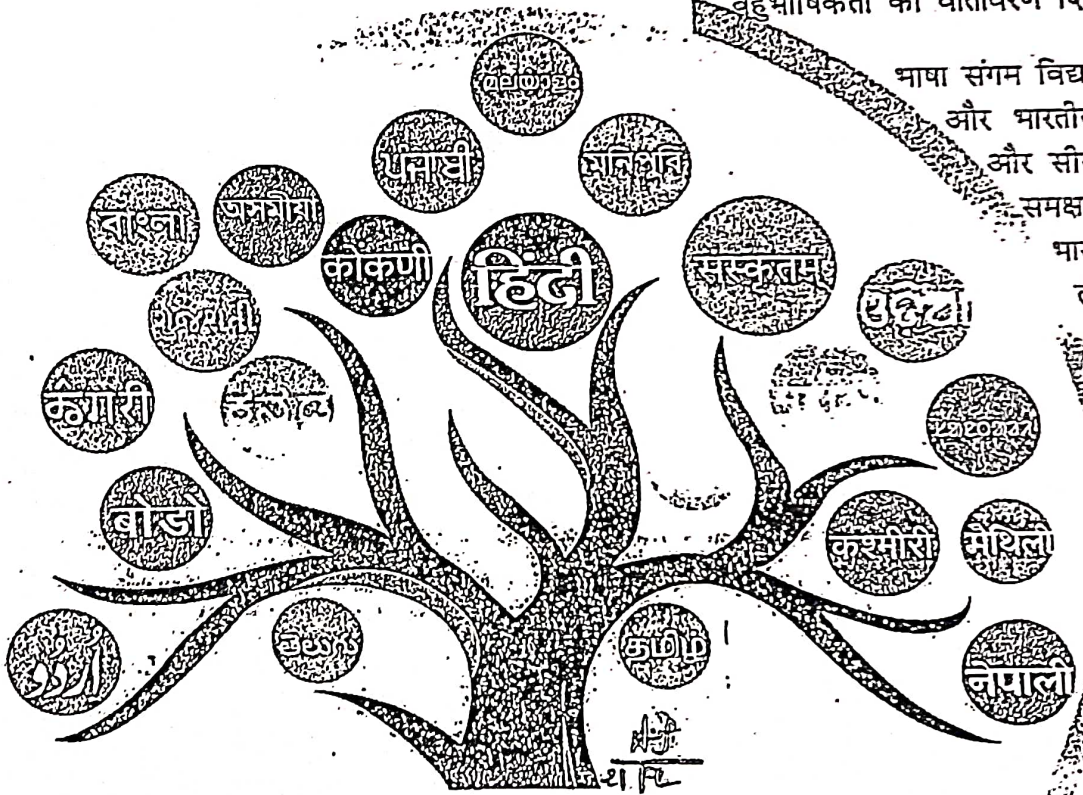

विद्यालयों में भाषाओं के माध्यम से भाषायी सद्भाव को प्रोत्साहित करने हेतु एक पहल

भारत अपनी भाषाओं के माध्यम से अपने गांवों में बसता है।

भाषा अपने वक्ताओं के चरित्र ... का एक सटीक प्रतिबिंब होती है।

मोहनदास करमचन्द गांधी

भारत की समृद्धि उसकी सांस्कृतिक, संजातीय और भाषायी विविधता से चिह्नित होती है। भाषाएँ हमारी सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक आचरणों को समृद्ध करती हैं। इसलिए भाषा संगम *'एक भारत श्रेष्ठ भारत'* पहल के तहत विद्यालयों में युवा शिक्षार्थियों के बीच भाषाओं के प्रचार-प्रसार के माध्यम से हमारे देश की अनूठी विशेषताओं का जश्न मनाता है। भाषा संगम के माध्यम से विद्यालयों और शैक्षिक संस्थानों में विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची के अंतर्गत 22 भारतीय भाषाओं में बहुभाषिकता का वातावरण दिया जाएगा।

भाषा संगम विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों और भारतीय भाषाओं से परिचित होने और सीखने में रुचि रखने वालों के समक्ष विभिन्न विषयों पर 22 भारतीय भाषाओं में 100 वाक्य लेकर आया है जिनका भाषा शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए विद्यालयों में रोचक तरीके से अभ्यास किया जाएगा।

षा संगम क्यों ?

रत की महान सांस्कृतिक और भाषायी विविधता से मान्वित होना, हमारी सभ्यता की प्रगति में उतना ही वश्यक है जितना कि पूरे इतिहास में अनुभव किया गया है। षा संगम विद्यालयों में भाषा अधिगम के माध्यम से विविधता र समृद्ध भाषायी शक्ति के उत्सव को साकार करने का यास करता है।

भाषा संगम का उद्देश्य

विद्यार्थियों को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल सभी 22 भारतीय भाषाओं से परिचित कराना

विद्यार्थियों के बीच भाषायी सद्भाव को प्रोत्साहित करना और भाषाओं को सीखने के माध्यम से राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देना

विद्यार्थियों को भाषाओं के माध्यम से देश की अद्वितीय संस्कृति और विविधता के करीब लाना

भाषा संगम की विशेषताएँ

- भाषा संगम को राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा विभाग के द्वारा कार्यान्वित किया गया है।
- सभी कक्षाओं के विद्यार्थियों द्वारा उपयोग के लिए 22 भाषाओं में 100 सरल या आमतौर पर उपयोग किए जाने वाले वाक्यों से समन्वित लघु संवाद तैयार किए गए हैं। ये संवाद विद्यार्थियों के लिए उपयोगी 10 विषयों पर आधारित हैं।
- राज्यों या राज्य के विद्यालयों द्वारा भाषा संगम की गतिविधियों का अभ्यास और संचालन करने के लिए किसी भी भाषा को चुना जा सकता है। यदि विद्यार्थी एक महीने के भीतर एक भाषा सीख लेता है, तो विद्यालय अन्य भाषा सीखने के लिए अपने विद्यार्थियों को प्रेरित कर सकता है। यह कार्य विद्यालय अपनी सुविधा और समय के अनुसार कर सकता है।
- प्रत्येक भाषा की वर्णमाला के वर्ण, मुहावरे और लोकोक्तियों को भाषा संगम में सम्मिलित किया गया है।
- इस कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा सकता है।
- सुझाई गई गतिविधियों को आनंदपूर्ण और रोचक तरीके से कार्यान्वित करना होगा ताकि विद्यार्थी गतिविधियों में भाग लें और उसका आनंद लें।
- विद्यालयों के अध्यक्ष इन दैनिक गतिविधियों की फोटो और वीडियो को भाषा संगम के प्लेटफार्म पर अपलोड कर सकते हैं। राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश के विद्यालयी शिक्षा विभाग और डीईओ और बीईओ क्रमशः राज्य/केंद्र शासित प्रदेश स्तर और जिला तथा ब्लॉक स्तर पर गतिविधियों के फोटो और वीडियो अपलोड कर सकते है। सबसे अच्छे स्कूल, सबसे अच्छे ब्लॉक, सबसे अच्छे जिले तथा सबसे अच्छे राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश को अपलोड की गई फोटो और वीडियो के अनुसार चयनित करके विद्यालयी शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मत्रांलय भारत सरकार द्वारा पुरस्कृत किया जाएगा।

कुछ गतिविधियाँ

1. भाषा संगम के अंतर्गत 10 विभिन्न विषयों पर 100 वाक्य को सम्मिलित किया गया है। विद्यार्थी विद्यालय या कक्षा के द्वारा चयनित भाषा का अभ्यास करेंगे। इन 100 वाक्यों को विद्यार्थी सुबह की सभा के समय या किसी भी कक्षा के दौरान या मध्याह्न-भोजन (लंच) के समय इसका अभ्यास करेंगे और इनको याद करके दोहराऐंगे।
2. यदि विद्यार्थी उस भाषा को जानते हैं तो उन्हें वाक्यों को पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
3. इसी प्रकार से, किसी भी भाषा को सिखाने के दौरान कोई अध्यापक, अभिभावक, सरकारी कर्मचारी या उस राज्य विशेष से कोई व्यक्ति अथवा कोई भी व्यक्ति जो उस भाषा को बोलता हो, उनको आमंत्रित किया जाएं और उनसे सही उच्चारण में इन वाक्यों को बुलवाया जाए।
4. इन वाक्यों पर पोस्टर बनाने के लिए वरिष्ठ विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाए तथा इनको विद्यालय में उचित स्थानों पर लगवाया जाए।
5. अध्यापक प्रतिदिन उस भाषा में विद्यार्थियों को संबोधित करें, उनसे वार्तालाप करें और विद्यार्थियों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करें।
6. विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया जाए कि वे इन वाक्यों को अपने परिवार के साथ अपने घर में भी साझा करें।
7. विद्यार्थी इस पहल से संबंधित अन्य गतिविधियों का भी निर्माण कर सकते हैं।
8. इन भाषाओं की लोककथाओं, लोकगीतों और लोकनृत्यों का प्रयोग किया जा सकता है ताकि विद्यार्थियों को एक वातावरण मिले और वे भाषा के प्रति अपनी रुचि पैदा कर सकें।
9. अध्यापक भूगोल, भाषा, इतिहास या पर्यावरण शिक्षण के समय जहाँ भी इन वाक्यों की आवश्यकता हो वहाँ इनका प्रयोग कर सकते हैं क्योंकि ये संवाद 10 विविध विषयों पर आधारित हैं।

यदि आप किसी व्यक्ति से उस भाषा में बात करते हैं जो वह समझता है, तो बात उसके दिमाग तक जाती है। लेकिन यदि आप उससे उसकी भाषा में बात करते हैं, तो बात सीधे उसके दिल तक जाती है।

नेल्सन मंडेला

भाषा संगम
Bhasha Sangam

विद्यालयों में भाषाओं के माध्यम से भाषायी एकता भाव को प्रोत्साहित करने हेतु एक पहल

भाषा संगम 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' पहल के तहत विद्यालयों में युवा शिक्षार्थियों के बीच भाषाओं के प्रचार-प्रसार के माध्यम से हमारे देश की अनूठी विशेषताओं का जश्न मनाता है।

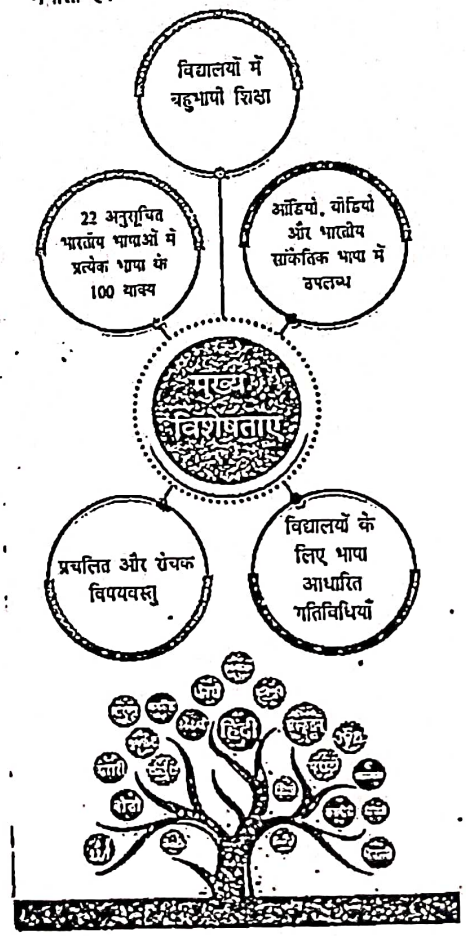

भाषा संगम

22 भाषाओं में निर्मित 100 वाक्यों तक ncert.nic.in & diksha.gov.in के माध्यम से पहुंचा जा सकता है। ये वाक्य ऑडियो, चीटियो और भारतीय सांकेतिक भाषा में उपलब्ध हैं।